कटरी की रेत में उगाई

स्वावलंबन की फसल

कभी पांचाल प्रदेश की राजधानी रह चुके कंपिल क्षेत्र में दो दशक पहले तक किसी ने उम्मीद भी न की होगी कि गंगा कटरी की रेत में भी स्वावलंबन की फसल लहलहा सकेगी। पर सामाजिक कार्यकर्ता नीरा मिश्रा के जीवट प्रयासों ने इसे सच कर दिखाया। गीतकार गुलजार की पंक्ति 'मैं अकेला ही चला था जानिबे मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया' को जीवन का सूत्र बना लेने वाली नीरा के प्रयासों का ही नतीजा है कि विकास की दौड़ में पीछे छूटे कंपिल की महिलाओं को अब सशक्तिकरण की राह दिख गई है। फर्रुखाबाद से तफहीम खान की रिपोर्ट।

छात्राओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देती नीरा मिश्रा। फजल फोटो

जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर गंगा किनारे बसे इस छोटे से कस्बे में महिलाओं को सशक्तिकरण की बातें कभी परी कथा की तरह ही लगती थी। अज्ञानता के कारण समाज और इलाके तक विकास की रोशनी न पहुंचने से व्यथित नीरा मिश्रा ने इलाके [illegible] का अंधेरा भगाने की कोशिश शुरू की। पहले उन्होंने महिलाओं को लड़कियों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक करने की पहल की फिर पढ़ी लिखी युवतियों को गांव की अन्य महिलाओं को साक्षर करने के लिए प्रोत्साहित किया।

- जरदोजी, अचार-मुरब्बे बनाकर बन रहीं परिवार का सहारा, रेडियो स्टेशन 'द्रोपदी वाणी' से मिलेगा महिलाओं को मंच

शिक्षा की रोशनी बिखरने लगी तो महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए उन्होंने उन्नत खेती, जरदोजी, घरेलू औषधि, पशु पालन, कुछ प्रोसेसिंग उद्योग से जुड़ने का प्रशिक्षण दिलाना शुरू किया। कुछ ने शिक्षा और प्रशिक्षण पाकर खुद स्वावलंबन की राह पकड़ी तो लोगों को उनके इरादों पर विश्वास होने लगा। क्षेत्र की और भी महिलाएं उनसे जुड़ने लगीं। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी महिलाएं अब घरों पर जरदोजी, अचार-मुरब्बे आदि बनाने का काम करने लगी हैं।

रेडियो बनेगा महिलाओं की आवाज

महिलाओं की आवाज को मंच उपलब्ध कराने के लिये अब नीरा मिश्रा ने एक नान-कामर्शियल रेडियो स्टेशन को शुरू करने का बीड़ा उठाया है। वह बताती हैं कि 'द्रोपदी वाणी' के माध्यम से इलाके की महिलाओं को अपनी समस्याएं उठाने और उन्हें प्रशासन के साथ साझा करने के लिये अपेक्षित माध्यम मिल जायेगा। अपने नये प्रोजेक्ट के प्रति उत्साहित नीरा बताती हैं कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गयी है, जल्द ही द्रोपदी वाणी शुरू की जायेगी। उनका मानना है कि रेडियो स्टेशन से महिलाओं की गरिमा और स्वाभिमान को नया आयाम तो मिलेगा ही, क्षेत्र का आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक विकास भी होगा ही।